माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

20 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
हिन्दी	0 0 1	हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगाये

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

उत्तर पुस्तिका का सरल क्रमाक A- 1829639

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अको मे

1	4	3	1	4	2	6	4	5

शब्दों मे

एक	चार	तीन	एक	चार	दो	छः	चार	पाँच

उदाहरणार्थ

1	1	2	4	3	9	5	6	8
एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पाच	छः	आठ

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एव पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

क – पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की सख्या अको मे X शब्दों मे X

ख – परीक्षार्थी का कक्ष क्रमाक 07

ग – परीक्षा का दिनाक 29 03 2014

परीक्षा का नाम एव परीक्षा केन्द्र क्रमाक की मुद्रा

हाईस्कूल परीक्षा वर्ष–2014 312047

पर्यवेक्षक का नाम एव हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
M. Ashwoolar	

परीक्षक एव उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की सख्या उपरोक्तानुसार सही पाई गई होलो ग्राफट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अको की प्रविष्टी एव अको का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा नाम उपनाम मोबाईल नम्बर परीक्षक क्रमाक एव पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाए।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एव निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एव निर्धारित मुद्रा
A... ...97...	99/100 S RAJPUT 1001511 C.S. TIWARI 9770415

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमाक के सम्मुख प्राप्ताकों की प्रविष्ठी क...

प्रश्न क्रमाक	पृष्ठ क्रमाक	प्राप्ताक (अकों ...
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

कुल प्राप्ताक शब्दों में | कुल ...प्राप्ताक अंकों में

पृष्ठ 2 के अंक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र

प्रश्न क्र० (1) का उत्तर

(1) रीतिकाल

(2) विचारात्मक

(3) ऊपर

(4) आलम्बन

(5) तत्पुरुष

प्रश्न क्र० (2) का उत्तर

(1) महादेवी वर्मा

(2) सुजान सिंह

(3) कहानी

(4) निः + स्पर्श

(5) क्रोध

प्रश्न क्र० (3) का उत्तर

(1) सत्य

EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL
मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

(ii) सत्य

(iii) सत्य

(iv) असत्य

(v) असत्य

प्रश्न क्र० (4) का उत्तर

(1) पृथ्वीराज रासो - महाकाव्य

(2) उद्बोधन - रामधारी सिंह 'दिनकर'

(3) सच्चा धर्म - सेठ गोविंद दास

(4) थके हुये कलाकार से - धर्मवीर भारती

(5) बेटियाँ पावन दुआएँ हैं - अजहर हाशमी

प्रश्न क्र० (5) का उत्तर

(1) आक्रोश में आकर मजदूरों ने शोषक रुपी सूर्य को निगल लिया।

(2) लोक संस्कृति का जन्म ग्रामों में हुआ है।

BSE

(4) [ ] + [ ] = [ ]

योग पृष्ठ पृष्ठ 4 के अंक कुल अंक

प्रश्न क्र

(3) लालच को गँवाकर मनुष्य धनी बनता है।

(4) उपासना करने वाला उपासक कहलाता है।

(5) "राम! तुम नगर में रहो" आज्ञार्थक वाक्य है।

प्रश्न क्र० (6) का उत्तर

कुब्जा कुबड़ी थी तथा वह कंस की दासी थी। वह कंस के मस्तक पर चंदन लगाने का कार्य करती थी। जब कृष्ण मथुरा आये तो उसने उन्हें भी चंदन लगाया। तब कृष्ण ने कुब्जा के कुब्ज पर हाथ रखकर उसके पैरों को अपने पैरों से दबाकर उसके कुब्ज को सीधा कर दिया। इस प्रकार वह अनुपम रूपवती हो गई।

प्रश्न क्र० (7) का उत्तर (अथवा)

संसारिक समस्याओं से पराजित निरीह कवि की हथेलियों में दरारें पड़ गई हैं। उसे भय है कि कहीं बच्चे के सतरंगी इरादे उनमें उलझकर टूट न जायें, नहीं तो समाज कवि को

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

ही दोषी ठहरायेगा।

प्रश्न क्र० (8) का उत्तर (अथवा)

गिरिधर जी गुणवान के बारे में कहते हैं कि, जिस प्रकार से कौआ और कोयल का रंग समान होते हुये भी कोयल की मधुर वाणी के कारण सभी उसको पसंद करते हैं और कौआ को उपेक्षा झेलना पड़ता है। ठीक उसी प्रकार समाज मे गुणी व्यक्ति को सभी पसंद करते हैं, लेकिन गुणहीन व्यक्ति को समाज में दुत्कार झेलना पड़ता है।

प्रश्न क्र० (9) का उत्तर (अथवा)

मानव जिस ओर गया, वहाँ सृजन होता चला गया। नगर बसे, तीर्थस्थान बसे। मानव सृजनशील है। उसने आकाश, पाताल से भी मित्रता कर ली, अर्थात वहाँ भी अनुसंधान करके नई खोजें की।

प्रश्न क्र० (10) का उत्तर (अथवा)

तृप्ति कविता के माध्यम से कवि कहता है कि, श्रमिक ने इतनी मेहनत करके अन्न उगाया लेकिन उस अन्न से प्राप्त धन को पूंजीपतियों

B
S
E

प्रश्न क्र

ने अपनी तिजोरियों में भर लिया।

इस प्रकार कवि ने समाज में फैली आर्थिक विषमता को उजागर किया है।

प्रश्न क्र० (11) का उत्तर (अथवा)

जब डाकू शिबू को बंदूक मारने आया तो शिबू ने बंदूक का कुन्दा पकड़ लिया और ऐसे पकड़ा जैसे सपेरा साँप का मुँह पकड़ता है और कहा कि- "तुम मुझे मार सकते हो लेकिन मेरा पैसा नहीं छीन सकते।" शिबु उन्हें पकड़कर चिल्लाने लगा और भय के कारण डाकु भाग खड़े हुये।

प्रश्न क्र० (12) का उत्तर (अथवा)

लोग क्लबों में, मुसाफिर खानों में, रेलों में, चौपालों पर बैठकर यही चर्चा करते हैं कि हमारे देश में ये नहीं हो रहा, वो नहीं हो रहा, सब गड़बड़ है, बड़ी परेशानी है। ऐसी चर्चाएँ कर वे अपने देश को अन्य देशों की अपेक्षा हीन साबित करते हैं, जिससे देश के शक्तिबोध को चोट पहुँचती है और देश के सामूहिक मानसिक बल का ह्रास हो रहा है।

प्रश्न क्र० (13) का उत्तर (अथवा)

लेखक ने रामचरन के कंधे पर हाथ रखते हुये मित्र भाव से पूछा - 'भाई ये बाजरा कौन है? ये कहाँ खड़ा है? इसे क्यों खड़ा किया गया है? मुझे इसके बारे में सबकुछ बताओ।

प्रश्न क्र० (14) का उत्तर (अथवा)

ऐसा स्थल जहाँ जो सभी प्रकार की सुविधा से सम्पन्न हो, स्वर्ग कहलाता है। अभी हमारा देश स्वर्ग नहीं है यहाँ अभी सब सुविधा की पूर्ति नहीं है इस प्रकार लेखक स्वर्ग की नींव का पता लगाते हैं।

प्रश्न क्र० (15) का उत्तर

(i) आँखो का तारा :- अत्यधिक प्रिय।
⇒ ममता का एक ही पुत्र है, वो उसे आँख का तारा मानती है।

(ii) हाथ मारना :- छीनना।
⇒ सोनू ने मेरी साईकिल पर हाथ मारने की कोशिश की।

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र

प्रश्न क्र० (16) का उत्तर

गीतिका छंद -

14 + 12 = 26

S I S S I S S S S I I I S S I S
हे प्रभो आनन्ददाता, ज्ञान हमको दीजिये।
शीघ्र सारे दुर्गुणों को, दूर हमसे कीजिये॥
S I S S I S S S S I I I S S I S

14 + 12 = 26

∴ इस छंद की प्रत्येक पंक्ति में 26 मात्राएँ तथा 14 एवं 12 पर यति है। और अंत में लघु-गुरु (IS) है। अतः यह गीतिका छंद है।

प्रश्न क्र० (17) का उत्तर

सुश्रुत संहिता शल्य चिकित्सा की विशद जानकारी देने वाला ग्रंथ है। इसमें कुल 120 अध्याय हैं जो छः भागों में विभाजित हैं।

सुश्रुत संहिता में भगंदर, पथरी, बवासीर, मोतियाबिंद की शल्य चिकित्सा बताई गई है। इसके अतिरिक्त काया श्रृंगार, माँ के गर्भ में चीरा लगाकर बच्चे को जन्म देने की शल्य चिकित्सा के बारे में बताया गया है।

B
S
E

EDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARD

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० (18) का उत्तर (अथवा)

संधि और समास में अंतर –

संधि	समास
(1) दो वर्णों के मेल को संधि कहते है।	(1) दो पदों के मेल से बना नया पद समास होता है।
(2) संधि तीन प्रकार की होती है।	(2) समास के छः भेद होते है।
(3) संधि को तोड़ना विच्छेद कहलाता है।	(3) समास को तोड़ना ~~विग्रह~~ विग्रह कहलाता है।

प्रश्न क्र० (19) का उत्तर

महाकाव्य एवं खण्डकाव्य में अंतर –

महाकाव्य	खण्डकाव्य
(1) महाकाव्य में नायक नायिका के सम्पूर्ण जीवन का वर्णन होता है।	(1) खण्डकाव्य में नायक और नायिका के जीवन की एक घटना का वर्णन होता है।
(2) महाकाव्य में सभी रसों एवं छंदो का प्रयोग होता है। प्रमुख रस वीर, भयानक एवं	(2) खण्डकाव्य में एक ही रस और छंद का प्रयोग होता है।

SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL
मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र

रौद्र है।	
(3) पात्रों की संख्या अधिक होती है।	(3) पात्रों की संख्या कम होती है।

प्रश्न क्र० (20) का उत्तर

प्रगतिवादी काव्य की विशेषताएँ :-

(1) प्रगतिवादी काव्य में कवियों ने शोषकों के प्रति विद्रोह और शोषितों के प्रति सहानुभूति है।

(2) प्रगतिवादी काव्य में आर्थिक व सामाजिक समानता पर बल दिया गया।

(3) प्रगतिवादी काव्य में भाग्यवाद की अपेक्षा कर्मवाद की श्रेष्ठता पर बल दिया गया।

(4) प्रगतिवादी काव्य में सामाजिक यथार्थ का चित्रण किया गया।

(5) प्रगतिवादी काव्य में ईश्वर के प्रति अनास्था का भाव प्रकट किया है।

B
S
E

11

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ अंक = कुल अंक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र० (21) का उत्तर

निबंध शब्द नि + बंध से मिलकर बना है, जिसका अर्थ होता है, 'बंधन से मुक्त'। बाबु गुलाबराय के अनुसार, " निबंध उस गद्य रचना को कहते हैं, जिसमें किसी विषय का वर्णन या प्रतिपादन पूर्ण सजीवता, सौष्ठव, संबद्धता, निजीपन तथा आवश्यक संगति के साथ किया जाता है।"

प्रश्न क्र० (22) का उत्तर

रामवृक्ष बेनीपुरी –

रचनाएँ – कुरुक्षेत्र, लाल तारा, पतितों के देश में।

भाषा शैली –

रामवृक्ष बेनीपुरी जी को 'भाषा का जादूगर' कहते हैं। इनकी भाषा सरल, सजीव खड़ी बोली है। आपने भाषा में तत्सम, विदेशी, देशज शब्दों का प्रयोग किया है। भाषा में प्रवाह लाने के लिए आपने मुहावरों व लोकोक्तियों का उचित प्रयोग किया है। आपके काव्य का अलङ्कार विधान परम मनोहर है। आपने भावात्मक, क्रियात्मक शैली में निबंध रचना की है।

BSE

SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH

प्रश्न क्र

प्रश्न क्र० (23) का उत्तर

मलिक मोहम्मद जायसी

रचनाएँ – पद्मावत, अखरावट।

भावपक्ष –
आप निर्गुण ब्रम्ह के उपासक हैं। निर्गुण ब्रम्ह की प्राप्ति के लिए आप प्रेम को साधन मानते हैं और प्रेम को ही अपनी रचनाओं में व्यक्त करते हैं। आपने अपने काव्य में नायिकाओं को ईश्वर का रूप माना है।

कलापक्ष –
मलिक मोहम्मद जायसी की भाषा ठेठ अवधी है। अवधी भाषा के अतिरिक्त आपने काव्य में ब्रज भाषा का प्रयोग किया है। आपकी भाषा में उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा अलंकारों का प्रयोग परिलक्षित है। आपकी भाषा प्रवाहमय, बोधगम्य है।

प्रश्न क्र० (24) का उत्तर

ये ख्याल_ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _लहूलुहान हैं।

B
S
E

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

संदर्भ- प्रस्तुत पद्यांश हमारी भाषाभारती के 'सोये हुये बच्चे से' कविता से ली गई है, जिसके कवि हरिनारायण व्यास जी हैं।

प्रसंग- प्रस्तुत पद्यांश में कवि ने अपने चोट खाये हुये ख्यालों का वर्णन किया है।

व्याख्या- कवि कहता है कि मेरे ख्याल इस दुनिया के संकटों से लड़कर टूट चुके हैं। मेरी नाव रूपी ख्याल इन पहाड़ रूपी असफलताओं से टकराकर नाकामयाबी की चोट खाकर पस्त हो गये हैं।

काव्यसौंदर्य-
(i) भाषा सरल, सहज, शैलिमय है।
(ii) अतुकांत शैली है।

विशेष- कवि ने अपनी चोट खाये हुये ख्यालों का वर्णन किया है।

प्रश्न क्र० (25) का उत्तर (अथवा)

गद्य- गाँवों ------------------ है।

संदर्भ- प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक के 'मेरे गाँव की शांति किसने छीन ली?' शीर्षक से अवतरित है, जिसके लेखक पं० रामनारायण उपाध्याय हैं।

प्रश्न क्र

प्रसंग- गाँव का आदमी, किसी को कुछ देने के लिये आतुर है।

व्याख्या - प्रस्तुत गद्यांश में लेखक कहता है कि गाँव का आदमी राह देखता रहता है कि कोई उससे भी तो कुछ ले। उसके जीवन की विभिन्न संस्कृतियाँ भी हमें कुछ दे सकती हैं, जैसे- रहन-सहन, धर्म इत्यादि।

विशेष - (i) ग्रामीणों की कलाओं का वर्णन किया गया है।
(ii) भाषा सरल, सहज, खड़ी बोली है।

B
S
F

प्रश्न क्र० (26) का उत्तर

मानव का _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _ रचना है।

उत्तर-i) गद्यांश का शीर्षक - 'यथार्थ मनुष्य'।

उत्तर-ii) यथार्थ मनुष्य वही है, जो मानवता का आदर करना जानता है।

उत्तर-iii) मानव को मानव के प्रति असहज अनुभव नहीं करना चाहिए, ऐसा करना मनुष्य के लिए शर्मिन्दा की बात है। आप केवल इस भाव से भेदभाव नहीं कर सकते कि वह मनुष्य

बुद्धिहीन है। आपको सभी मनुष्य का सम्मान करना चाहिए क्योंकि वो सब एक ही ईश्वर की संतान है।

प्रश्न क्र० (28) का उत्तर

(अ) पर्यावरण प्रदूषण

रूपरेखा – (1) प्रस्तावना
(2) प्रदूषण का अर्थ
(3) प्रदूषण के प्रकार –
(i) वायु प्रदूषण
(ii) जल प्रदूषण
(iii) भूमि प्रदूषण
(iv) ध्वनि प्रदूषण
(v) रासायनिक प्रदूषण
(4) प्रदूषण की रोकथाम
(5) उपसंहार

"अपनी हालत का कुछ अहसास नहीं मुझको,
औरों से सुना है कि परेशाँ हूँ मैं।
दुनिया में कुछ इस कदर छाया है प्रदूषण,
कि देखकर ये हाल हैरान हूँ मैं ॥"

प्रस्तावना –
हमारे चारों ओर फैला हुआ आवरण पर्यावरण कहलाता है। आजकल यह हर रूप से प्रदूषित हो रहा है। प्रदूषण को पूरी तरह समाप्त नहीं

प्रश्न क्र

किया जा सकता है, परन्तु प्रदुषण को नियंत्रित करने के बहुत उपाय हैं। प्रदुषण करने का सबसे बड़ा कारक मनुष्य ही है। मनुष्य सबसे ज्यादा बुद्धिमान प्राणी कहा जाता है, अतः प्रदुषण को नियंत्रित करने की जिम्मेदारी भी मानव की है। विज्ञान के बढ़ते चरण से प्रदुषण चारों ओर फैल रहा है। प्रदुषण बड़े शहरों की अपेक्षा छोटे शहरों में कम है। आज इस प्रदुषण के कारण मनुष्य का दुनिया में रहना दूभर रहता हो गया है। आने वाले समय तक पृथ्वी का अस्तित्व ही समाप्त हो जायेगा।

B
S
E

प्रदुषण का अर्थ –

हमारे चारों ओर फैले हुये पर्यावरण का दूषित होना ही प्रदुषण कहलाता है, प्रदुषण करने वाले कारकों की मात्रा इतनी अधिक है कि उसे गिना नहीं जा सकता है। प्रदुषण का अर्थ जानने से पहले उसे कम करने के उपाय खोजने चाहिए।

प्रदुषण के प्रकार –

प्रदुषण के इतने प्रकार का होता है कि गणना असंभव है, फिर भी प्रदुषण के प्रमुख प्रकार यहां प्रस्तुत

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

किये जा रहे हैं —

(i) वायु प्रदूषण —

विभिन्न उद्योगों या कारखानों से निकलने वाला धुँआ वायु प्रदूषण फैलाता है। इस धुएँ में उपस्थित सल्फर डाइ ऑक्साइड गैस, कार्बन डाइ आक्साइड गैस वायुमण्डल में घुल मिल जाती है। इस दृष्टि में तेल शोधक उद्योग, चीनी उद्योग अन्य उद्योगों की अपेक्षा अधिक प्रदूषण फैलाते हैं।

(ii) जल प्रदूषण —

जल जीवन का आधार है। जल में अवांछित हानिकारक तत्वों का मिलना ही जल प्रदूषण कहलाता है। विभिन्न उद्योगों से निकला हुआ जल नदी, तालाबों को गंदा करता है।

(iii) भूमि प्रदूषण —

भूमि एक सीमित संसाधन है। इसके दुरूपयोग के परिणाम भयंकर हो सकते हैं। भूमि में हानिकारक तत्वों को फैलाना, जो न तो प्राकृतिक रूप से अपघटित होते हैं और न ही प्रकृति में इनका पुनः चक्रीकरण हो पाता है, भूमि प्रदूषण कहलाता है।

(iv) ध्वनि प्रदूषण —

वातावरण में फैली ऐसी तीव्र

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

ध्वनि जो कानों को अप्रिय लगती हो, और साथ ही मानसिक क्रियाओं में बाधा डाले अर्थात 'शोर' ही ध्वनि प्रदूषण का मुख्य रूप है।

(v) रासायनिक प्रदूषण – विभिन्न उद्योगों से निकलने वाले रसायनों का विभिन्न प्राकृतिक संसाधनों को नष्ट करना, रासायनिक प्रदूषण कहलाता है।

प्रदूषण की रोकथाम – वायु प्रदूषण को रोकने के लिए उद्योगों की चिमनियों की ऊँचाई बढ़ा देना चाहिए, जिससे निकली हुई हानिकारक गैसों के प्रवाह को कम किया जा सकता है। प्लास्टिक का प्रयोग कम से कम करना चाहिए। प्लास्टिक से समुद्र का तल बढ़ रहा है। उद्योगों को शहरी आवासों से दूर एकांत में स्थापित करना चाहिए। भूमि में कचरा न डालें बल्कि उसे कूड़ादान में डालें। रसोईघर से निकले पानी का प्रयोग सिंचाई के लिए करें। उद्योगों से जल को उपचारित करके ही बाहर निकालें। प्रदूषण की रोकथाम के

लिये प्रदूषण नियंत्रक बोर्ड द्वारा दिये गये निर्देशों का पालन करें।

उपसंहार –

प्रदूषण नियंत्रक उपायों का उपयोग कर हम प्रदूषण से मुक्ति पा सकते हैं। प्रदूषण कम करने के लिए जो तकनीक प्रयोग करें, उसे दूसरों को भी बतायें। किसी कवि ने ठीक ही कहा है –

"कोई नहीं पराया मेरा, घर सारा संसार है।
मैं कहता हूँ, जिओ और जीने दो, इस संसार को।।"

(ब) कम्प्यूटर: आज की आवश्यकता।

रूपरेखा –

(1) प्रस्तावना।
(2) कम्प्यूटर का जन्म एवं विकास।
(3) कम्प्यूटर की क्षेत्रीय उपयोगिता –
 (i) मनोरंजन के क्षेत्र में।
 (ii) आँकड़ों को सुरक्षित रखने में।
 (iii) शिक्षा के क्षेत्र में।
 (iv) चिकित्सा के क्षेत्र में।
(4) कम्प्यूटर से हानियाँ।
(5) उपसंहार

(20) [ ] [ ] = [ ]

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 20 के अंक | कुल अंक

मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र

प्रश्न क्र० (२७) का उत्तर

स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र (T.C.)

प्रति,
श्रीमान प्राचार्य महोदय।
शासकीय बालिका उच्च. माध्य. विद्यालय।
~~मंडला~~ जबलपुर (म. प्र.)

विषय - स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र प्राप्त करने विषयक।

मान्यवर,
सविनय नम्र निवेदन है कि, मैं आपके विद्यालय में कक्षा 10 'अ' की छात्रा हूँ। मेरे पिताजी शिक्षक हैं। पिताजी का स्थानान्तरण जबलपुर से भोपाल हो गया है। जिस कारण मुझे भोपाल जाना पड़ रहा है।
अतः आपसे निवेदन है कि मुझे आगे अध्यापन कार्य हेतु स्थानान्तरण पत्र प्रदान करने की कृपा करें। मेरे पास विद्यालय की कोई सामग्री शेष नहीं है।

धन्यवाद

दिनांक - 29.03.14

आपकी आज्ञाकारी शिष्या
प्रतिमा द्विवेदी
रोल नं०- 34567

BSE